"डी.पी.ई.पी. के संदर्भ में, प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की विषयगत प्रशिक्षण आवश्यकताओं का अध्ययन"

D-128

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल

की

शिक्षा में स्नातकोत्तर एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) परीक्षा की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत

C

"लघु शोध प्रबंध"

1999–2000

निर्देशक
ज्ञानानन्द प्रकाश श्रीवास्तव
(प्रवाचक)

प्रस्तुतकर्त्ता
श्रीप्रकाश नामदेव
एम.एड. (छात्र)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **श्रीप्रकाश नामदेव** क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद) श्यामला हिल्स, भोपाल में एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) का नियमित छात्र है । इन्होंने बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघु शोध ग्रंथ **"डी.पी.ई.पी के संदर्भ में प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की विषयगत प्रशिक्षण आवश्यकताओं का अध्ययन"** मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है । यह शोध कार्य निष्ठा एवं लगन से किया गया, मौलिक प्रयास है । **श्रीप्रकाश** ने यथाक्षमता कार्य किया है ।

यह लघु शोध ग्रंथ, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. परीक्षा १९९९-२००० की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत है ।

N.C.E.R.T. – भोपाल
दिनांक : अप्रैल, 2000

जी.एन.प्रकाश

डॉ. जी.एन. प्रकाश श्रीवास्तव
प्रवाचक
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)
भोपाल, (म.प्र.)

आभार ज्ञापन

प्रस्तुत लघु शोध ग्रंथ डी.पी.ई.पी. के संदर्भ में "प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की विषयगत प्रशिक्षण आवश्यकताओं का अध्ययन" से संबंधित है । यह लघु शोध ग्रंथ डॉ. ज्ञानानन्द प्रकाश श्रीवास्तव, प्रवाचक (रीडर), शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.) श्यामला हिल्स, भोपाल, के निर्देशन में सम्पन्न हुआ है । उन्होंने जिस तत्परता एवं रुचि से मेरा मार्गदर्शन किया, इसके लिये मैं उनका कृतज्ञ हूँ । श्रद्धेय श्री श्रीवास्तवजी द्वारा प्रदत्त आत्मीयता एवं वात्सल्यपूर्ण सहयोग अविस्मरणीय रहेगा । अपने अमूल्य समय में से समय निकालकर मुझे निर्देशन देकर मेरा कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कराया इसके लिये मैं उनका आजीवन आभारी रहूँगा ।

मैं माननीय प्राचार्य प्रो. जी.के. लहरी, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल एवं विभागाध्यक्ष (प्रो.) एम. सेनगुप्त, डॉ. एस.ए. शफी (डीन), डॉ. एन.डी. जैन, श्री. आई.बी. चुगताई, श्री. ए.सी. पचौरी, डॉ. आई.डी. गुप्ता, डॉ. एस.पी. मिस्त्री, डॉ. सविता पटनायक, डॉ. श्रीमती. ए. ग्रेवाल, डॉ. एस.के. गुप्ता, डॉ. सुनीति खरे, डॉ. खेमराज शर्मा एवं समस्त गुरुजनों का कृतज्ञ हूँ, जिनकी प्रेरणा, स्नेह, संरक्षण व सहयोग से मेरा यह कार्य सम्पन्न हो पाया ।

अपने संस्थान के समस्त एम.एड. सहपाठियों, विद्यार्थी परिषद अध्यक्ष, व्याख्याता श्रीमती. मेधा वाजपेयी, श्रीमती. संगीता सिंह, श्रीमती. रजिया सुल्तान, व्याख्याता डॉ. श्रीमती अमिता सिंह, कु. रुचि सक्सेना, कु. हेमलता दिनकर, कु. लाजवन्ती सावले, कु. माधवी चौरे एवं मेरे परम् स्नेही अनिल सिंह आदि का हृदय से आभारी हूँ जिन्होंने मेरा हर पल सहयोग और धैर्य प्रदान किया ।

मैं उन समस्त डाइट शिक्षकों, प्रशिक्षकों नौगाँव एवं पन्ना के प्राचार्यों एवं व्याख्याताओं का हृदय से आभार प्रकट करता हूँ जिन्होंने मुझे आँकड़े संग्रह करने में सहयोग प्रदान किया ।

मैं पुस्तकालय परिवार के समस्त सहयोगियों को एवं लाली शर्मा मैडम को भी धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने प्यार भरे स्नेह से मुझे, अध्ययन में सहयोग दिया ।

मैं अपनी प्रिय बहन शिक्षिका श्रीमती. अशोक कुमारी (उर्मिला) एवं प्रिय जीजाजी सरपंच श्री. दरबारीलालजी नामदेव, गंज (खजुराहो) का सदैव ऋणी रहूँगा जिन्होंने मुझे आर्थिक सहायता करके अध्ययन जारी रखने की प्रेरणा दी ।

अन्त में मैं अपने पिता रिटायर्ड शिक्षक श्री. राजारामजी नामदेव का आजीवन ऋणी रहूँगा कि उन्होंने एम.एड. में सहयोग और प्रेरणा दी ।

सबसे अंत में, स्मृति शेष अपनी ममतामयी स्वर्गीया प्रिय माँ (अम्मा) जिनका असमय स्वर्गवास ३० सितम्बर, १९९९ को मेरी अनुपस्थिति (एम.एड. अध्ययन दौरान), में हो गया जिसने मेरे जीवन के पलों को तार-तार आँसूओं से गीला करके मुझे इस दुनिया में बिलखता छोड़ दिया, उनके प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूँ ।

दिनांक : अप्रैल, २०००

श्रीप्रकाश नामदेव

एम.एड. (छात्र)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)

भोपाल (म.प्र.)

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

विषय–सूची

अध्याय प्रथम 1 – 11

1.	प्रस्तावना	2
1.2	अध्यापक शिक्षा की आवश्यकता	3
1.3	अध्यापक शिक्षा का महत्त्व	3
1.4	अध्यापक शिक्षा के उद्देश्य	4
1.5	अध्यापक प्रशिक्षण क्या, क्यों और कैसे ?	4
1.6	अध्ययन का महत्त्व	6
1.7	जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम	7
1.8	म.प्र. में जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (डी.पी.ई.पी.) का कार्यक्षेत्र	7
1.9	म.प्र. में जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम की रूपरेखा	8
1.10	जिला प्राथमिक शिक्षा का कार्यकाल	8
1.11	जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के उद्देश्य	8
1.12	शोधकार्य की आवश्यकता	9
1.13	प्रस्तुत समस्या	9
1.14	समस्या कथन	10
1.15	शब्दों का परिभाषीकरण	10
1.16	प्रस्तुत शोध के उद्देश्य	11
1.17	शोध प्रश्न	11
1.18	शोध कार्य की परिसीमायें	11

अध्याय – द्वितीय 12 – 15

संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन 13 – 15

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

अध्याय – तृतीय 16 – 20

3.1 शोध की रूपरेखा 17

3.2 प्रतिदर्श का चयन 17

3.3 उपकरण 17

3.4 प्रदन्तों का संकलन 19

3.5 प्रदन्त सारणीयन 19

अध्याय – चतुर्थ 21 – 48

4.1 परिणाम 21

4.2 परिणाम विश्लेषण एवं व्याख्या 21 – 45

4.3 प्रशिक्षणार्थियों के विचार 45

4.4 प्राथमिक अध्यापक प्रशिक्षण की समस्यायें 45

4.5 समस्याओं का निदान 46

4.6 सुझाव 47

अध्याय – पंचम सारांश एवं सुझाव 49 – 53

5.1 उद्देश्य 50

5.2 अध्ययन विधि तथा उपकरण 50

5.3 मुख्य परिणाम 51

5.4 समस्यायें 52

5.5 समस्याओं का निदान 52

5.6 सुझाव 52

5.7 भविष्य के लिए सुझाव 53

संदर्भ ग्रंथ सूची 55 – 56

परिशिष्ट 58 – 65

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

तालिका/आरेख – सूची

1. तालिका क्रमांक – 1. प्रतिदर्श का विवरण, पृष्ठ – 18
2. तालिका क्रमांक – 2. प्रपत्रों के प्रश्नों का विवरण, पृष्ठ – 19
3. तालिका क्रमांक – 3. डाइट प्रशिक्षणार्थियों की प्रपत्र एक में अधिकतम और निम्नतम दक्षता उपलब्धि प्राप्तांक (N = 100) पृष्ठ – 22
4. ग्राफ क्रमांक – 1. आवृत्ति बहुभुज–प्रपत्र प्रथम का सही–गलत उत्तर का प्रतिशत ग्राफ एवं धनात्मक–ऋणात्मक प्रतिशत उपलब्धि पृष्ठ 23–24
5. तालिका क्रमांक – 4. अध्यापक आवश्यकता संबंधी सम्प्राप्ति पत्र 1999–2000, प्रशिक्षणार्थियों के प्रपत्र दो, "गणित" में अधिकतम और निम्नतम दक्षता उपलब्धि प्राप्तांक (N = 100) पृष्ठ – 25
6. ग्राफ क्रमांक – 3. आवृत्ति बहुभुज, "गणित" सही–गलत उत्तरों का प्रतिशत पृष्ठ – 26
   उत्तर का प्रतिशत एवं ग्राफ क्रमांक–4, गणित के सही उत्तरों की (ऋणात्मक–धनात्मक) प्रश्नक्रमवार प्राप्ति का प्रतिशत पृष्ठ – 27
7. वृत्तीय आरेख–3 (प्रथम प्रपत्र) एवं 4, द्वितीय प्रपत्र गणित का वृत्तीय आरेख पृष्ठ – 28
8. तालिका क्रमांक – 5. अध्यापक आवश्यकता संबंधी सम्प्राप्ति पत्र 1999–2000 डाइट प्रशिक्षणार्थियों के प्रपत्र–तीन, हिन्दी में अधिकतम और निम्नतम दक्षता उपलब्धि प्राप्तांक (N =- 100) पृष्ठ 29–30
9. ग्राफ क्रमांक – 5. आवृत्ति बहुभुज, 'हिन्दी' परीक्षण उत्तर प्राप्ति प्रतिशत में एवं धनात्मक ऋणात्मक प्रश्न क्रमवार प्राप्ति पृष्ठ – 31
10. तालिका क्रमांक – 6. अध्यापक आवश्यकता संबंधी सम्प्राप्ति प्रपत्र 1999–2000, डाइट के प्रशिक्षणार्थियों के प्रपत्र–चार, 'सामाजिक विज्ञान', में अधिकतम–निम्नतम दक्षता उपलब्धि प्राप्तांक (N = 100) पृष्ठ – 32
11. आवृत्ति बहुभुज ग्राफ क्रमांक–7. 'सामाजिक विज्ञान' सही गलत उत्तर प्राप्ति प्रतिशत में, एवं आवृत्ति बहुभुज ग्राफ क्रमांक–8 धनात्मक–ऋणात्मक सही गलत उत्तरों की प्राप्ति प्रतिशत पृष्ठ – 34
12. तालिका क्रमांक – 7. अध्यापक आवश्यकता संबंधी प्रपत्र 1999–2000, डाइट प्रशिक्षणार्थियों के प्रपत्र–पांच 'विज्ञान' में अधिकतम और निम्नतम दक्षता उपलब्धि प्राप्तांक (N = 100) पृष्ठ – 35
13. ग्राफ क्रमांक – 9. आवृत्ति बहुभुज, 'विज्ञान' सही–गलत उत्तर प्राप्ति प्रतिशत में एवं ग्राफ क्रमांक–10 सही गलत उत्तरों का धनात्मक–ऋणात्मक प्राप्ति का प्रतिशत पृष्ठ 36 – 37
14. वृत्तीय आरेख, 'सामाजिक विज्ञान' एवं 'विज्ञान' (तालिका 6 एवं 7 से) पृष्ठ 38
15. तालिका – 8. विषयगत आवयकताओं का परिणाम पृष्ठ – 39
16. वृत्तीय आरेख, आवश्यकताओं का सम्पूर्ण एवं तालिका – 9 का सम्पूर्ण परिणाम का प्रतिशत पृष्ठ – 40
17. आयत एवं दण्ड आरेख–तुलनात्मक संचयी ग्राफ (पांचों विषय दक्षता आवश्यकताओं का सम्पूर्ण योग का परिणाम) पृष्ठ 41

Regional Institute of Education LIBRARY